संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -263 बुधवार ,24 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का चौबीसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे और उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

लोकतंत्र में सभी को बात रखने का अधिकार:स्वास्थ्य मंत्री

» तो फिर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर आप दबाना क्यों चाह रहे हैं मंत्री जी...

» घटती-घटना के कलम बंद अभियान को लेकर पत्रकारों ने पूछा सवाल तो मंत्री ने दिया गोल-मोल जवाब...

अम्बिकापुर,23 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। भय,भूख और भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने का वादा कर प्रदेश की सत्ता में काबिज हुई भारतीय जनता पार्टी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल पिछले दिनों मीडिया के सामने बात करते नजर आए...जब पत्रकारों ने उनसे घटती-घटना के कलम बंद अभियान के बारे में पूछा तो वे गोल-मोल जवाब देते नजर आए...मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को बात रखने का अधिकार है...स्वास्थ्य मंत्री का यह कहना आश्चर्यजनक है। एक तो आप ऐसा बयान देते हैं और फिर खबरों के प्रकाशन पर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को पैर तले कुचलना चाहते हैं,मंत्री जी लोकतंत्र में यह संभव नही है। ज्ञात हो कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री द्वारा खुद के विभाग से जुड़ी खबरों के प्रकाशन पर सुधार ना करते हुए मीडिया पर ही प्रतिबंध लगाने का काम किया जा रहा है, विभागीय विज्ञापन को रोककर उन्होने हल्की राजनीति का परिचय भी दिया है।

गोल-मोल जवाब देते नजर आए मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल

दैनिक घटती-घटना के द्वारा प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त कमी और भर्राशाही को लेकर लगातार खबरों का प्रकाशन सिर्फ इसलिए किया जा रहा था कि उन कमियों को दूर करने से शासकीय चिकित्सालयों की दशा में सुधार हो सकता था लेकिन विभाग के मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने इसे सुधारने की बजाए खबर का प्रकाशन कर रहे अखबार पर ही दबाव डालना शुरू कर दिया जिसके बाद से कलम बंद अभियान लगातार जारी है, इसी विषय पर प्रदेश के पत्रकारों ने जब मंत्री से सवाल किया तो उनका कहना था कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, प्रेस मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। सभी से आग्रह करना चाहूंगा कि मीडिया के साथियों को ही अध्ययन करने की बात उन्होने कही। खुद की ओर से स्वागत की बात भी मंत्री ने कही। घटती-घटना के द्वारा चलाये जा रहे अभियान की जानकारी होने की बात कहते हुए उन्होने कहा कि मेरी ओर से सभी को आजादी है,जिसको जैसा समझ आता है लिख सकते हैं,ना तो हम किसी को लिखने से रोक सकते हैं और ना रोकते हैं,और ना तो किसी को किसी प्रकार का प्रेरित करते हैं। जैसा समझ आता है लोकतंत्र में सभी को अधिकार है लिख सकते हैं। ऐसा बयान मीडिया के सामने स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने दिया लेकिन मंत्री के बयान और उनके द्वारा मीडिया से किये जा रहे व्यवहार में काफी अंतर प्रतीत होता है।

क्या मीडिया की आवाज रोक पांएगे मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल?

विभाग और उनसे जुड़ी कमी अखबार में प्रकाशित ना हो...इसके लिए मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने नया तरीका अपनाया और आवाज दबाने के लिए ऐसा काम किया जो कि छत्तीसगढ के इतिहास में पहले कभी नही हुआ यह उनकी कुत्सित मानसिकता का परिचायक कहा जा सकता है। जरूरी नही है कि अखबार सिर्फ आपकी वाहवाही का ही प्रकाशन करेगा,जहां कमी नजर आएगी उसे जरूर प्रकाशित किया जाएगा। घटती-घटना के पत्रकार की कलम गिरवी नही है,जो दबा दी जाए। मंत्री जी आप इस प्रकार का हल्का काम खूब करें...मन लगाकर करें...लेकिन यह कलम बंद अभियान अपने मंजिल तक पहुंचने तक जारी रहेगा...आप मीडिया की आवाज रोक नही पांएगे!

घटती घटना | राजधानी रायपुर | अम्बिकापुर, मंगलवार 23 जुलाई 2024 | 8

खुला पत्र

गजब मंत्री जी...समाचार-पत्र पर एमरजेंसी जैसी स्थिति स्थापित कर स्वास्थ्य मंत्री अब सार्वजनिक रूप कह रहे कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है!

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

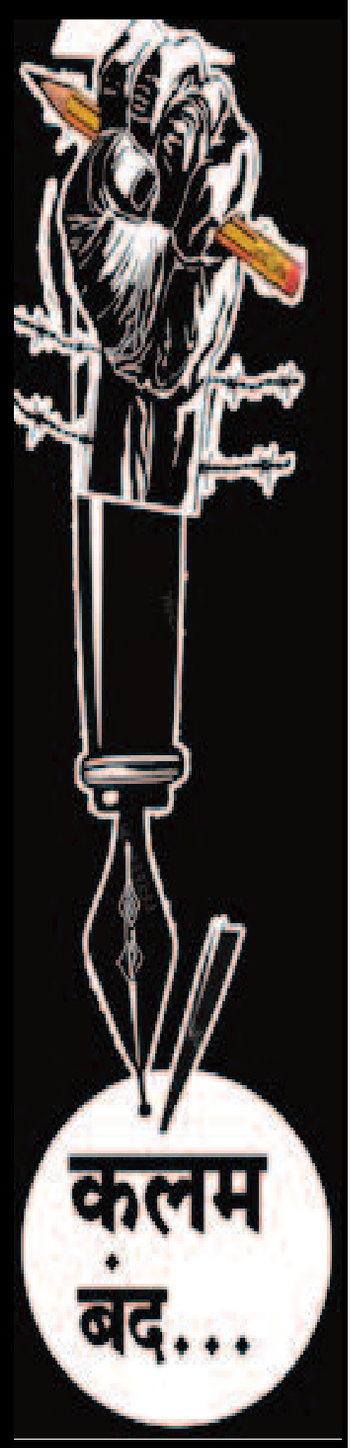

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का चौबीसवां दिन

?

कलम बंद...का चौबीसवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 23 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

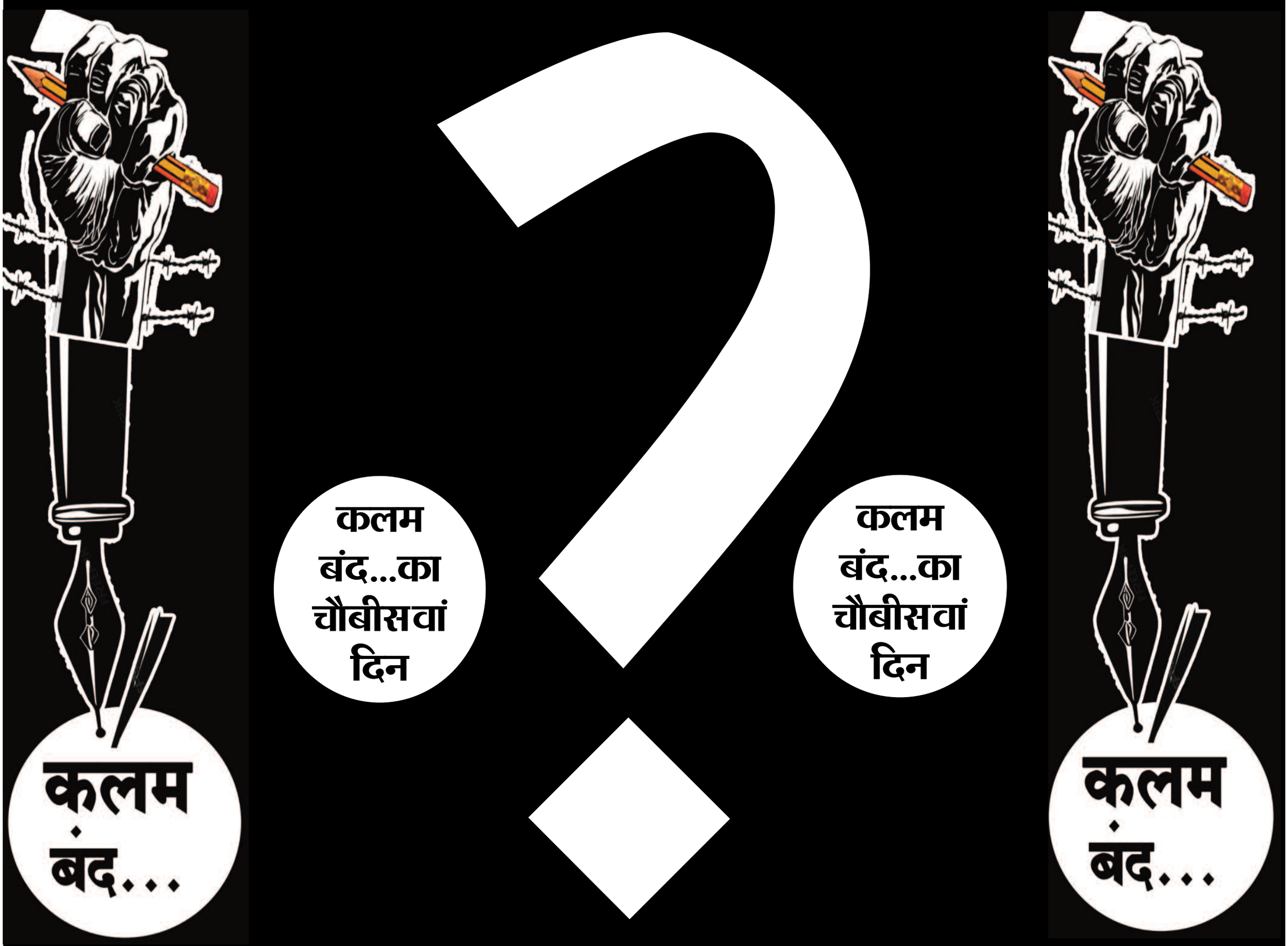

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,23 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,23 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

कलम बंद...का चौबीसवां दिन

कलम बंद...का चौबीसवां दिन

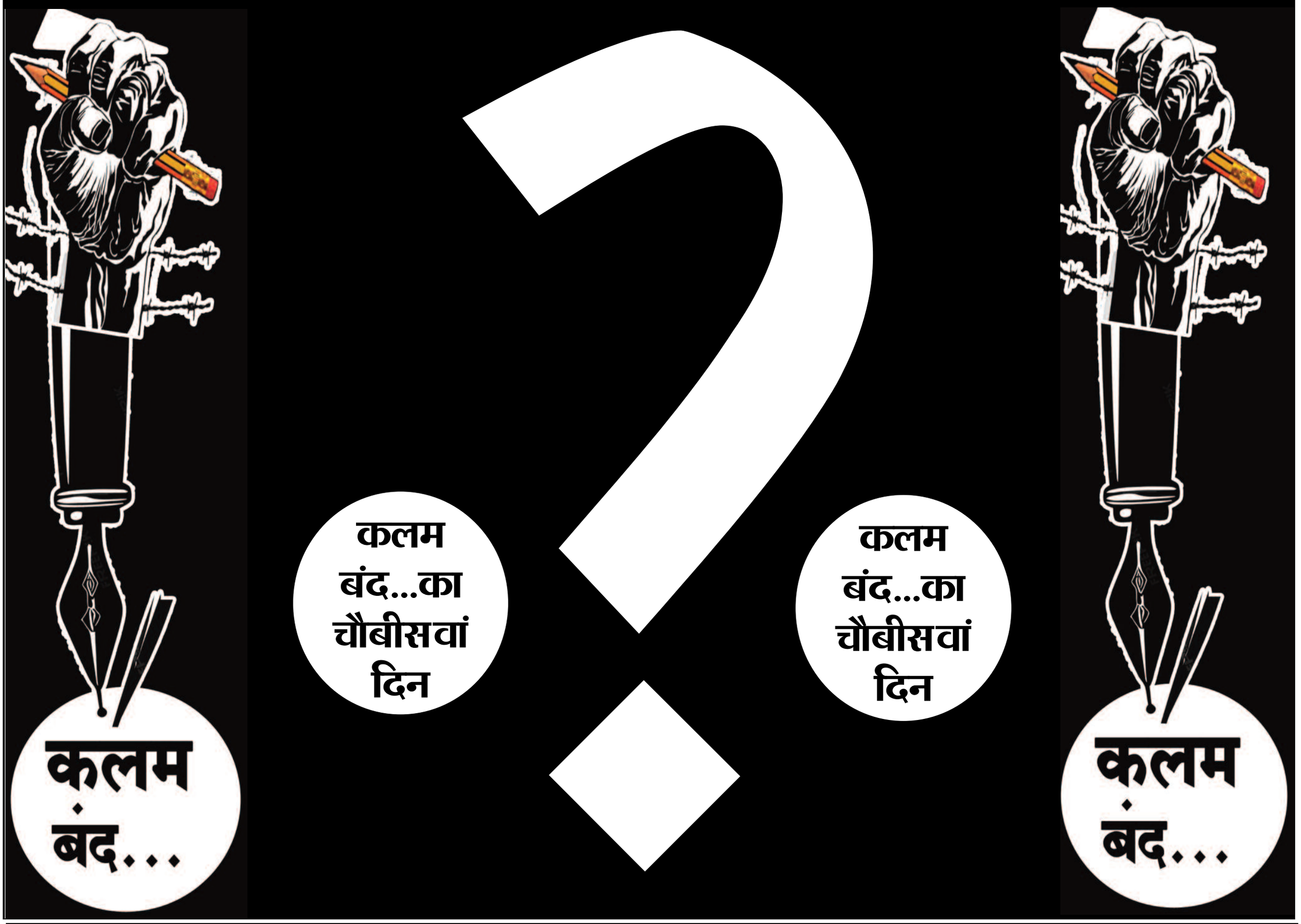

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 23 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

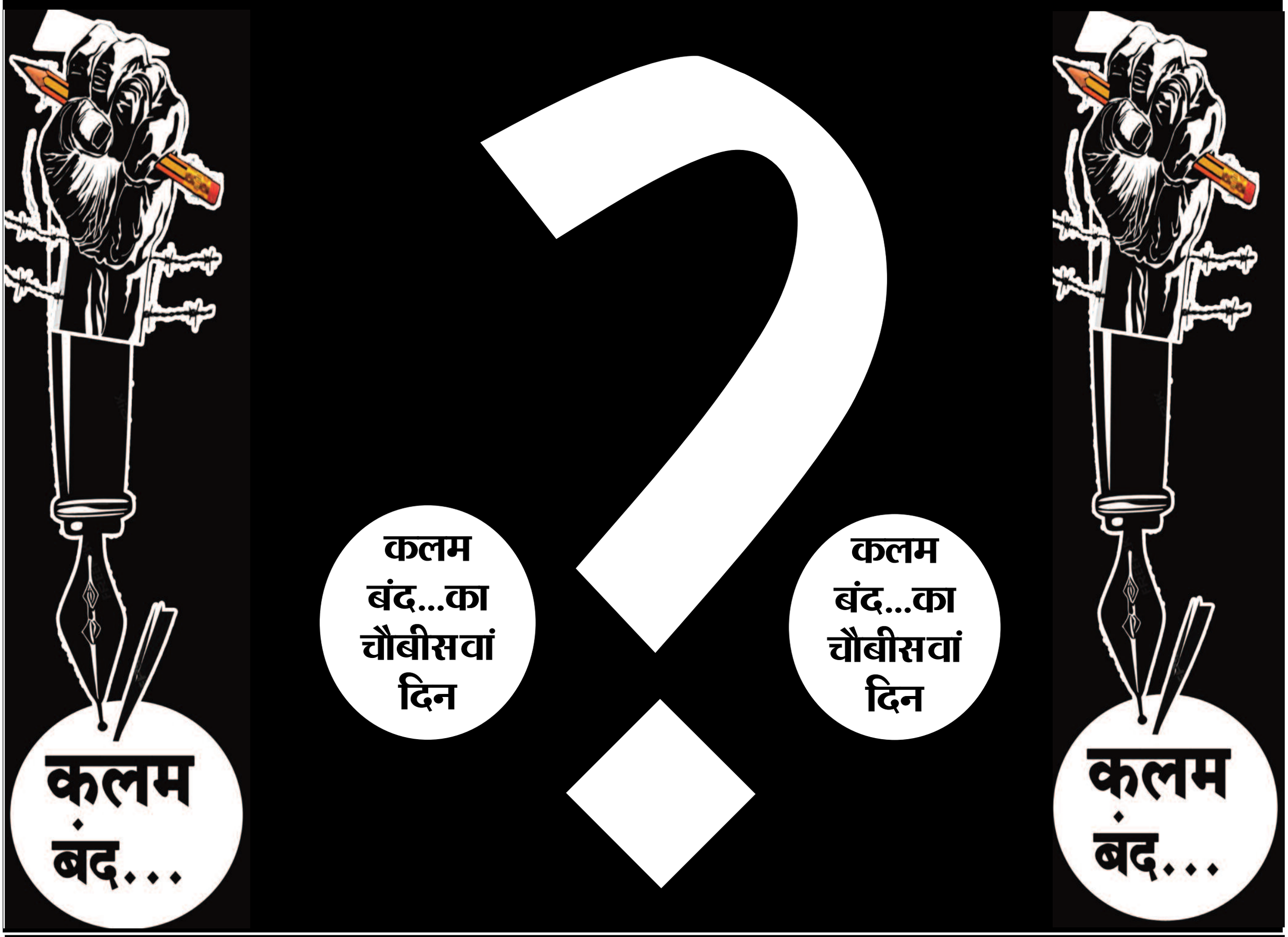

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

टी 20 और वनडे सीरीज में श्रीलंका से टक्कर लेने के लिए श्रीलंका पहुंची टीम इंडिया

कोलंबो,23 जुलाई 2024। भारत और श्रीलंका के बीच टी 20 और वनडे सीरीज का आयोजन किया जाना है। यह सीरीज श्रीलंका में खेली जाएगा। इसके लिए भारतीय टीम श्रीलंका पहुंच गई है। दोनों टीमों के बीच पहले टी 20 सीरीज खेली जाएगी। जिसके बाद वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। फिलहाल टी 20 सीरीज के लिए चुने गए भारतीय खिलाड़ी श्रीलंका गए। वनडे टीम अभी वहां नहीं पहुंची है। आपको बता दें कि दोनों टीमों के बीच कुल तीन टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं वनडे सीरीज में भी इतने की मैच खेले जाने हैं। भारत ने हाल ही टी 20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। वर्ल्ड कप के बाद टीम इंडिया की यह दूसरी सीरीज होने जा रही है।

टी 20 टीम में कई बड़े बदलाव

बीसीसीआई ने श्रीलंका के खिलाफ जो टी 20 टीम चुनी है उस टीम में कई बदलाव देखने को मिले हैं। दरअसल टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में मिली जीत के बाद टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने टी 20 इंटरनेशनल से अपने संन्यास का ऐलान कर दिया था। रोहित शर्मा के संन्यास के बाद बीसीसीआई के सामने सबसे बड़ा सवाल ये खड़ा हो गया था कि अब इस फॉर्मेट में कौन टीम इंडिया का नया कप्तान होगा। माना जा रहा था कि वर्ल्ड कप के जौरान भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान रहे हार्दिक को टीम इंडिया की कप्तानी दी जाएगी, लेकिन बीसीसीआई ने चौकाने वाला फैसला लेते हुए सूर्यकुमार यादव को इस फॉर्मेट में भारत का नया कप्तान बना दिया।

श्रीलंका से सामने आई तस्वीरें

भारतीय टीम ने सोमवार को मुंबई से श्रीलंका के लिए उड़ान भरी थी। टीम इंडिया इसके लगभग 2 घंटे के बाद श्रीलंका की राजधानी कोलंबो पहुंच गई। जिसके बाद भारतीय टीम बस से पल्लेकेले पहुंची है। दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज का पहला मुकाबला यहीं खेला जाएगा। टीम इंडिया नए हेड कोच गौतम गंभीर के साथ इस सीरीज के लिए पहुंची है। गंभीर का भी भारतीय टीम के कोच के तौर पर यह पहली सीरीज होने जा रही है। ऐसे में एक वर्ल्ड चैंपियन टीम की कोचिंग उनके लिए भी आसान नहीं होगी। मुंबई से पल्लेकेले पहुंचने का वीडियो बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

भारत बनाम श्रीलंका टी 20 सीरीज

पहला टी 20 मैच-27 जुलाई (पल्लेकेले इंटरनॅशनल क्रिकेट स्टेडियम)
दूसरा टी 20 मैच-28 जुलाई (पल्लेकेले इंटरनॅशनल क्रिकेट स्टेडियम)
तीसरा टी 20 मैच-30 जुलाई (पल्लेकेले इंटरनॅशनल क्रिकेट स्टेडियम)

भारत बनाम श्रीलंका वनडे सीरीज

पहला वनडे मैच-02 अगस्त (आर. प्रेमदासा स्टेडियम, कोलंबो)
दूसरा वनडे मैच-04 अगस्त (आर. प्रेमदासा स्टेडियम, कोलंबो)
तीसरा वनडे मैच-07 अगस्त (आर. प्रेमदासा स्टेडियम, कोलंबो)

टी 20 और वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का स्क्वाड

टी 20 टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, मोहम्मद सिराज

वनडे टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा

भारत के खिलाफ श्रीलंका के स्क्वॉयड का ऐलान

» चरिथ असलंका बनें नए टी 20 कप्तान

कोलंबो,23 जुलाई 2024। चरिथ असालंका भारत के खिलाफ 27 जुलाई से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज में श्रीलंका के कप्तान होंगे। असलंका ने टी20 विश्व कप में टीम के जल्दी बाहर होने के बाद इस्तीफा देने वाले स्पिन हरफनमौला वानिंदु हसरंगा की जगह ली है।

स्पिन हरफनमौला वानिंदु हसरंगा के बाद असालांका को कप्तानी सौंपी गई है। हसरंगा ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में पिछले महीने हुए टी20 विश्व कप में श्रीलंका की कप्तानी की थी। असालांका ने

इस साल की शुरूआत में बांग्लादेश दौरे पर भी दो टी20 मैचों में श्रीलंका की कप्तानी की थी जब हसरंगा आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के कारण निलंबन झेल रहे थे। श्रीलंका के पूर्व अंडर 19 कप्तान असालांका ने इस साल एलपीएल में जाफना किंग्स को अपनी कप्तानी में खिताब दिलाया था। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम सोमवार की रात को यहां पहुंच गई।

भारत के खिलाफ श्रीलंका टीम

चरित असालांका (कप्तान), पाथुम निसांका, कुसल जनित परेरा, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, दुनिथ वेलालागे, महीष तीक्षणा, चामिंदु विक्रमसिंघे, मथीसा पथिराना, नुवान तुषारा, दुष्मंता चामीरा, बिनुरा फर्नांडो।

राहुल द्रविड़ की फिर से होगी आईपीएल में वापसी

नई दिल्ली, 23 जुलाई 2024। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच रहे राहुल द्रविड़ एक बार फिर से आईपीएल में वापसी करते हुए नजर आ सकते हैं। राहुल द्रविड़ की कोचिंग में ही टीम इंडिया ने साल 2024 का टी20 वर्ल्ड कप जीता था, इसके बाद उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। लेकिन द्रविड़ जैसा खिलाड़ी ज्यादा दिन तक मैदान से दूर शायद नहीं रहेगा। अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग में उनकी वापसी हो सकती है। वो भी अपनी पुरानी टीम के ही साथ। बताया जाता है कि बात जारी है और अगर सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही इसका ऐलान भी किया जा सकता है।

राजस्थान रॉयल्स के साथ नजर आ सकते हैं राहुल द्रविड़

अभी तक जो खबरें सामने आ रही हैं, उनमें कहा जा रहा है कि राहुल द्रविड़ आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़ सकते हैं। इस बारे में टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि राहुल द्रविड़ और राजस्थान रॉयल्स के बीच बातचीत जारी है, जल्द ही इस बारे में अहम ऐलान किया जा सकता है। राहुल द्रविड़ बतौर हेड कोच टीम में वापसी करते हुए दिख सकते हैं।

ओलंपिक में 6 अगस्त,2024 को होगा नीरज चोपड़ा का थ्रो

नई दिल्ली, 23 जुलाई 2024। भारत के गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक 2024 में एक बार फिर दुनिया को चौंका देने के लिए तैयार हैं। चोपड़ा ओलंपिक में अपने गोल्ड मेडल को बचाने और खेल में अपने इतिहास को और मजबूत करने की कोशिश करेंगे। नीरज चोपड़ा ने पिछले ओलंपिक के बाद से ही पूरे देश का दिल जीत लिया है। ओलंपिक में भारत को एक बार फिर से उनसे गोल्ड मेडल की ही उम्मीद है। नीरज चोपड़ा ने पिछले कुछ समय में शानदार फॉर्म भी दिखाया है। देश उनके प्रदर्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है, इसलिए यहां उनके कार्यक्रम के बारे में सब कुछ

बताया गया है।

पेरिस ओलंपिक 2024 में नीरज चोपड़ा कब एक्शन में होंगे?

नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक में मेंस जैवलिन थ्रो इवेंट में भाग लेंगे। ग्रूप ए और बी दोनों के लिए क्वालीफिकेशन राउंड 6 अगस्त, 2024 को होने वाले हैं, जबकि फाइनल 8 अगस्त, 2024 को होगा।

टी 20 वर्ल्ड कप 2024 की समीक्षा के लिए आईसीसी ने कमेटी का किया ऐलान

नई दिल्ली, 23 जुलाई 2024। टी 20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराकर जीता था। टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन वेस्टइंडीज और अमेरिका की धरती पर किया गया था। अब इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने पिछले महीने हुए टी20 वर्ल्ड कप की समीक्षा के लिए तीन मेंबर्स की कमेटी का गठन किया है। इसमें न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर ट्वोज और आईसीसी के अन्य दो निदेशक लॉसन नायडू तथा इमरान ख्वाजा को जगह मिली है।

कमेटी इसी साल बोर्ड को सौंपेगी अपनी रिपोर्ट

आईसीसी की प्रेस रिलीज के अनुसार आईसीसी बोर्ड पुष्टि करता है कि आईसीसी टी 20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा होगी। तीन निदेशक रोजर ट्वोज, लॉसन नायडू और इमरान ख्वाजा के मार्गदर्शन में यह होगा और ये इसी साल बोर्ड को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। ऐसा समझा जाता है कि आईसीसी को न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा और डलास में मैचों के आयोजन पर दो करोड़ डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ है। पता चला है कि टूर्नामेंट के अमेरिकी चरण के लिए आवंटित बजट लगभग 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर था और यह पाया गया कि बजट में काफी इजाफा हुआ जिस पर वैश्विक संस्था के कुछ प्रभावशाली बोर्ड सदस्यों ने आपत्ति जताई।

अभिनव बिंद्रा को मिला आईओसी का सबसे बड़ा सम्मान

नई दिल्ली, 23 जुलाई 2024। अभिनव बिंद्रा की गिनती भारत के बेहतरीन प्लेयर्स में होती है। वह भारत के लिए निशानेबाजी में ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतने वाले इकलौते भारतीय हैं। भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी ने 'ओलंपिक ऑर्डर' अवॉर्ड देने का फैसला किया है। भारत के खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की।

खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने दी जानकारी

भारत के यूथ अफेयर्स और स्पोर्ट्स मिनिस्टर मनसुख मंडाविया ने 'ओलंपिक ऑर्डर' से सम्मानित होने पर अभिनव बिंद्रा को बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि ओलंपिक आंदोलन में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित होने पर अभिनव बिंद्रा को बधाई। उनकी उपलब्धि हमें गौरवान्वित करती है और वह वास्तव में इसके योग्य है। उन्होंने निशानेबाजों और ओलंपिक में भाग लेने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया है।

आईओसी चीफ ने बिंद्रा को लिखा पत्र

अवॉर्ड समारोह ओलंपिक के समापन से एक दिन पहले 10 अगस्त को पेरिस में 142वें आईओसी सेशन के दौरान आयोजित किया जाएगा। आईओसी अध्यक्ष ने 20 जुलाई को अभिनव बिंद्रा को संबोधित करते हुए एक पत्र में लिखा कि मुझे आपको सूचित करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने ओलंपिक आंदोलन में आपकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए आपको 'ओलंपिक ऑर्डर' से सम्मानित करने का फैसला किया है।

आईओसी का है सबसे बड़ा अवॉर्ड

ओलंपिक ऑर्डर' इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी का सर्वोच्च पुरस्कार है, जो ओलंपिक आंदोलन में विशिष्ट योगदान के लिए दिए जाते हैं। इसके लिए नामांकन ओलंपिक ऑर्डर समिति द्वारा प्रस्तावित किए जाते हैं और कार्यकारी बोर्ड द्वारा निर्णय लिया जाता है।

महिला टी 20 वर्ल्ड कप 2024 पर मंडराया खतरा!

ढाका, 23 जुलाई 2024। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन बांग्लादेश की धरती पर होना है। इसके लिए आईसीसी पहले ही शेड्यूल जारी कर चुका है। पहला मुकाबला 3 अक्टूबर को खेला जाएगा। वहीं फाइनल मैच 20 अक्टूबर को होगा। लेकिन अब टी20 वर्ल्ड कप से पहले ही बांग्लादेश में चल रही हिंसा ने आईसीसी के सदस्यों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सरकारी नौकरियों में रिजर्वेशन पॉलिसी को लेकर बांग्लादेश में हिंसा हुई और कई लोगों की जान चली गई। छात्र सड़कों पर उतर आए, जिसके बाद कर्फ्यू और हिंसा हुई।

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2023-24

ईश्तहार

आगामी तिथि-08/08/2024

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिए सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक अंकित कुमार गुप्ता आ0 अनिल कुमार गुप्ता,निवासी मेन रोड सूरजपुर तहसील व जिला सूरजपुर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि खसरा नम्बर 2124/1 रकबा 4792 वर्गफीट एवं 2914/4 रकबा 2174 वर्गफुट भूमि का लीज अवधि 2026 तक होने से लीज नवीनीकरण कराए जाने हेतु अनुरोध किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो ये स्वयं अथवा अपने अभिभाषक /लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 08/ 08/ 2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2023-24

ईश्तहार

आगामी तिथि-08/08/2024

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिए सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिल कुमार गुप्ता आ0 उमाशंकर गुप्ता,निवासी मेन रोड सूरजपुर तहसील व जिला सूरजपुर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि खसरा नम्बर 2126/4 रकबा 100.18 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि 2026 तक होने से लीज नवीनीकरण कराए जाने हेतु अनुरोध किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो ये स्वयं अथवा अपने अभिभाषक /लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 08/ 08/ 2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
सूरजपुर

नफरत कर सकते हो अनदेखा नहीं:अमरीश पुरी

अमरीश पुरी के ये 7 खतरनाक विलेन के किरदार आज भी हैं यादगार

अमरीश पुरी हिंदी सिनेमा का एक ऐसा नाम हैं, जो अपने पीछे कई ऐसी यादगार फिल्में छोड़कर गए हैं, जिन्हें ऑडियंस आज भी बड़े चाव से देखती हैं। उनकी फिल्मों को देखकर ऐसा महसूस होता है, मानों वह आज भी हमारे आसपास ही हों।

बहु प्रतिभाशाली अभिनेता रहे अमरीश पुरी ने अपने पूरे फिल्मी करियर में तकरीबन 450 से अधिक फिल्मों में काम किया। स्क्रीन पर दिग्गज अभिनेता ने हर तरीके का किरदार निभाया।

सीधे सादे पिता के रूप में उन्होंने दर्शकों का दिल तो जीता ही, लेकिन जब वह विलेन बनकर स्क्रीन पर आए और अपने दमदार डायलॉग्स बोले तो उनके सामने हीरो भी फीके पड़ गए। विलेन के रूप में मोगेम्बो तो उनका यादगार किरदार है ही, लेकिन उनके इन सात खतरनाक किरदारों को भी भूलना किसी भी प्रशंसक के लिए नामुमकिन है।

भैरोनाथ

श्रीदेवी और ऋषि कपूर स्टारर फिल्म नगीना तो आपको अच्छे से याद होगी। पहली महिला सुपरस्टार के जितनी खूबसूरत नागिन दोबारा शायद ही फैंस को ऑनस्क्रीन देखने को मिले। 1986 में रिलीज हुई फिल्म में श्रीदेवी और ऋषि कपूर ने जहां पॉजिटिव भूमिका निभाई थी, तो वहीं इस फैंटेसी रोमांस फिल्म में अमरीश पुरी ने भैरोनाथ सपेरे का किरदार निभाया था। इस नेगेटिव रोल में उन्होंने खुद को ऐसे ढाला था, मानों वह सच के सपेरे हो। उनकी एक्टिंग मूवी में काफी शानदार थी।

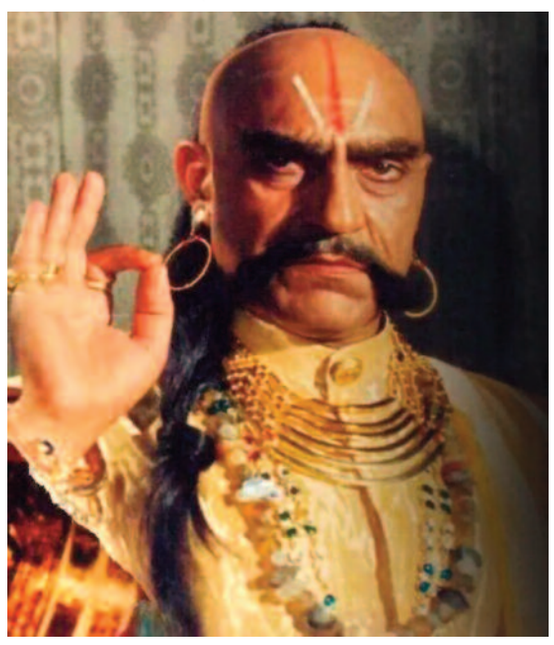

बलराज

साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म नायकः द हीरो में अमरीश पुरी ने महाराष्ट्र के भ्रष्टाचारी मुख्यमंत्री बलराज का किरदार अदा किया था। उनका ये किरदार आज भी फैंस के दिल में बसा हुआ है। फिल्म में उनके और अनिल कपूर के बीच जो आमना-सामना हुआ, उसने फिल्म को काफी दिलचस्प मोड़ दिया था। उनका ये किरदार ऑडियंस के लिए यादगार बन गया था।

भुजंग

साल 1989 में रिलीज हुई फिल्म त्रिदेव में अमरीश पुरी ने विलेन भुजंग का किरदार निभाया था, जिसकी मौजूदगी ही लोगों को डराने के लिए काफी है। नसीरुद्दीन शाह, जैकी श्रॉफ और सनी देओल स्टारर इस फिल्म की सफलता में उनका एक बहुत बड़ा हाथ है, क्योंकि पूरी मूवी में उनके किरदार ने एक अलग इम्पेक्ट छोड़ा था।

ठाकुर दुर्जन सिंह

बिग स्क्रीन पर विलेन बने अमरीश पुरी को कई बार अंत में सुधरते हुए दिखाया गया है, तो कभी उन्होंने ऐसे किरदार निभाए हैं, जो इतने निर्दयी हैं, जो लाचार और बेबस आदमी को शेर के सामने डालने से पहले कतई नहीं सोचते। ऐसा ही एक निर्दयी किरदार उन्होंने शाह रुख खान और सलमान खान स्टारर फिल्म करण-अर्जुन में निभाया था। उनके किरदार का नाम ठाकुर दुर्जन सिंह था, जो पावर के लिए किसी भी हद तक कुछ कर सकता है।

शेरा

साल 1987 में रिलीज हुई फिल्म लोहा में अमरीश पुरी ने शेर उर्फ शेरा का किरदार अदा किया था। फिल्म में उनका अभिनय और लुक तो दमदार था ही, लेकिन इसी के साथ उनकी आइब्रो से लेकर उनकी मूंछों तक ने लोगों को डराकर रख दिया था।

मोगेम्बो

अनिल कपूर और श्रीदेवी स्टारर फिल्म मिस्टर इंडिया में अमरीश पुरी ने मोगेम्बो का किरदार अदा किया था। इस फिल्म में उनके कॉस्टयूम से लेकर उनके हेयर-डॉयलॉग्स और खूंखार लुक हर चीज ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इस फिल्म ने उन्हें इंडस्ट्री के पसंदीदा और सबसे बड़े विलेन्स में से एक बनाया।

मोला राम

इंडियन सिनेमा का सबसे खतरनाक विलेन बनने से पहले अमरीश पुरी ने खूंखार किरदार निभाकर इंटरनेशनली अपने किरदार की छाप छोड़ी थी।

उन्होंने साल 1984 में स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्म इंडियाना जोन्स एंड द टेंपल ऑफ डूम में उन्होंने मोला राम का किरदार अदा किया था। उस समय पर अमरीश पुरी को अपने इस किरदार के लिए काफी नफरत का सामना करना पड़ा था।

स्टार्स के खर्चों पर विलेन गुलशन ग्रोवर ने तोड़ी चुप्पी

गुलशन ग्रोवर पिछले चार दशक से सिनेमा जगत में अपने अभिनय का जादू चला रहे हैं। उन्होंने हम पांच के साथ बॉलीवुड में कदम रखा था और 500 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं। हाल ही में, उन्होंने स्टार्स की बढ़ती फीस पर हो रही डिबेट को लेकर रिएक्शन दिया है। उन्होंने मेकर्स की जगह स्टार्स को सपोर्ट किया है।पिछले कुछ समय से ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो रही हैं। बिग बजट की फिल्म हो या फिर छोटी बजट की, मूवीज ज्यादा बिजनेस नहीं कर पा रही हैं। फिल्में फ्लॉप हो रही हैं, लेकिन स्टार्स अपनी फीस बढ़ा रहे हैं जो मेकर्स के लिए सिर दर्द बन गया है। करण जौहर, कबीर खान और अनुराग कश्यप इसको लेकर अपनी चिंता भी जाहिर कर चुके हैं।

स्टार्स के खर्चों पर गुलशन का रिएक्शन

स्टार्स की बढ़ रही फीस और खर्चों के डिबेट पर अभिनेता गुलशन ग्रोवर ने चुप्पी तोड़ी और उन्होंने अपना समर्थन सितारों को दिया। बातचीत में अभिनेता ने कहा-किसी भी खास स्टार से जुड़े खर्च का हिसाब निर्माता उन्हें लाने से पहले लगाते हैं। निर्माता अब इस मुद्दे को बेवजह तूल दे रहे हैं। आप मौजूदा दौर की तुलना अतीत से कैसे कर सकते हैं?

स्टार्स की लेट-लतीफी पर बोले अभिनेता

मेकर्स की स्टार्स से सबसे बड़ी शिकायत सेट पर उनके लेट आने की होती है। इस बारे में गुलशन ग्रोवर ने कहा-चाहे कोई स्टार कुछ घंटे लेट हो या किसी भी कारण से किसी खास समय पर निकलना चाहता हो, यह सब स्टार को साइन करने का एक हिस्सा है। जो कोई भी इस बारे में शिकायत कर रहा है, वह अतीत में पीछे रह गया है और समय से पीछे है।

गुलशन ग्रोवर ने याद किए राम लखन के दिन

गुलशन ग्रोवर ने कहा कि सितारों को शूटिंग के दौरान सपोर्ट सिस्टम की जरूरत पड़ती है, ताकि वह अपनी अच्छी परफॉर्मेंस दे सके। उन्होंने राम लखन के शूट के दिनों को याद किया है। उन्होंने सुभाष घई की तारीफ करते हुए बताया कि जब राखी गुलजार सेट पर लेट आती थीं, तब सुबह-सुबह ही सुभाष बाकी सितारों के साथ शूटिंग शुरू कर दिया करते थे। उन्होंने सुभाष की सोच को प्रगतिशील बताया

खुला पत्र

नहीं संभाल पा रहे जब गृह जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था तो कैसे संभालेंगे पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था स्वास्थ्य मंत्री जी?

- » क्या अखबार पर प्रतिबंध लगाकर सुधारेंगे स्वास्थ्य व्यवस्था...मंत्री जी?
- » अब इस खबर में संज्ञान लेने के बजाये खबर छपने वाले पर ले सकते है सज्ञान मंत्री जी...!
- » राजा का मंत्री मंडल सिर्फ स्वार्थ सिद्धि में लगा रहेगा तो राजा को जनता की खबर कैसे मिलेगी?
- » मनेन्द्रगढ़ अस्पताल में फिर बवाल...अस्पताल में कई दिनों से भर्ती मरीज की इलाज के दौरान हुई मौत...
- » क्या लापरवाह डॉक्टरों पर होगी कार्यवाही या होता रहेगा मौत का तांडव?
- » पथरी के इलाज में लापरवाही...हॉस्पिटल में तहसीलदार से नोक झोंक की जानकारी:सूत्र।
- » तहसीलदार यादवेंद्र कैवर्त के खिलाफ परिजन ने कोतवाली में की शिकायत...
- » नाराज परिजन शव को ऑटो में लेकर घर गए...पीएम नहीं करवाने की कह रहे बात...
- » सीएमएचओ का किया सोनोग्राफी अस्पताल के डॉक्टर नहीं मान रहे वाह...अजब-गजब...कहानी है स्वास्थ्य विभाग की...।
- » स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले में बिगड़ी स्वास्थ्य की चाल...ईलाज के दौरान हुई बच्ची की मौत...परिजन आटो से लेकर घर गए शव..

घटती घटना — कोरिया-एमसीबी-समाचार — अम्बिकापुर, रविवार 23 जुलाई 2023 — 5

दुर्घटना में व्यक्ति हुआ घायल,इलाज के लिए लाया गया अस्पताल...नहीं थे डॉक्टर, 5 मिनट में आता हूं कहकर डॉक्टर पहुंचे घंटों बाद...व्यक्ति की हुई मौत

नवीन जिले एमसीबी में मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी को लोगों ने दौड़ा दौड़ाकर पीटा,भागकर अधिकारी ने बचाई जान

-रवि सिंह-

एमसीबी,मनेद्रगढ़,23 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। राजा का मंत्रिमंडल सिर्फ स्वार्थ सिद्धी में लगा रहेगा तो राजा को जनता की खबर कैसे मिलेगी? इस समय यह बात छत्तीसगढ़ सरकार के लिए कही जा रही है और वह इसलिए कही जा रही है क्योंकि मुख्यमंत्री के मंत्रिमंडल में सिर्फ स्वार्थ सिद्धी में लगे हुए लोगों की व्यवस्थाओं के लिए उनका ध्यान नहीं है यह बात इस समय इसलिए कहीं जा रही है क्योंकि एक बार फिर विष्णुदेव साय कैबिनेट के हिस्सा बने स्वास्थ्य मंत्री के गृह विधानसभा व गृह जिले में इस समय स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सुर्खियों में हैं स्वास्थ्य मंत्री वहीं जब वह अपने गृह विधानसभा व जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को नहीं संभाल पा रहे तो पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था कैसे संभालेंगे? नवीन जिला एमसीबी के मनेंद्रगढ़ शासकीय अस्पताल की स्थिति कांग्रेस सरकार के समय से ही दयनीय है और उसकी सिर्फ एक वजह है वहां के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दोनों पार्टियों के विधायक व मंत्री का संरक्षण जिस वजह से वहां की व्यवस्था बदतर है, कांग्रेस शासन काल में स्थानीय विधायक का संरक्षण था उस समय एक ऐसा ही मामला उस अस्पताल में देखने को मिला जहां पर एक व्यक्ति की जान चली गई और खूब हंगामा हुआ अब वर्तमान भाजपा सरकार में भी एक बार फिर भाजपा के स्वास्थ्य मंत्री का संरक्षण मिला और एक और बवाल सामने आया एक नाबालिक की मौत पर बवाल हो रहा है और स्वास्थ्य मंत्री की किरकिरी हो रही है राजनीतिक पार्टियों भी खूब स्वास्थ्य मंत्री पर निशाना साध रहे हैं। पर न जाने स्वास्थ्य मंत्री किस घमंड में निश्चिंत है कि उन्हें अपने ही विभाग की हालात दिख नहीं रही? क्या स्वास्थ्य मंत्री अपनी कमियों को छुपाने के लिए सिर्फ अखबार पर दबाव बनाना ही जानते हैं या फिर व्यवस्था सुधारना भी उनकी नियत में है?

यह है पूरा मामला

मिलि जानकारी के अनुसार रितिका सिंह, पिता रामेश कुमार, निवासी मनेद्रगढ़ वार्ड क्रमांक 19, की बेटी रितिका सिंह को 21 जुलाई 2024 को अचानक तबीयत खराब होने पर रात 1:10 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पेट दर्द से पीड़िता रितिका का इलाज डॉ. वासिफ द्वारा किया गया। अगले दिन, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी डॉक्टर टोप्पो द्वारा रितिका का इलाज किया जा रहा था। बीमारी की पहचान के लिए विभाग ने सोनोग्राफी की सलाह दी और इसे प्राइवेट डॉक्टर खान नर्सिंग होम में कराने को कहा। 22 जुलाई 2024 को रितिका के पिता ने शाम 5.30 बजे रितिका की हालत गंभीर बताई। उस समय नर्स और अन्य स्टाफ मौजूद थे। नर्स द्वारा इंजेक्शन लगाने के बाद डॉक्टर ने भी इंजेक्शन लगाया और ब्लड बोतल चढ़ाई हुई थी। रितिका ने आखिरी बार पानी मांगा, लेकिन नर्स ने उसे मना कर दिया क्योंकि बोतल चढ़ी हुई थी। मरीज को समय पर सही इलाज ना मिलने के कारण रितिका की मौत हो गई। परिजनों ने सीसीटीवी कैमरा की जांच की मांग की है ताकि पूरा सच सामने आ सके। मृतक रितिका मौत की वजह जानने के लिए हमने मनेद्रगढ़ स्वास्थ्य विभाग श्री सिंह बीएमओ को फोन लगाकर जानकारी लेनी चाहि वो फोन नहीं उठा रहे हैं।

बवाल से जुड़े सवाल

मनेद्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 17 वर्षीय बालिका की मौत का जिम्मेदार कौन? महिला स्पेशलिस्ट चिकित्सक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्यों नहीं? सोनोग्राफी स्वास्थ्य विभाग में क्यों नहीं? सामान्य परिवार के आम नागरिकों की जिंदगी से खिलवाड़ क्यों? सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेद्रगढ़ में 17 वर्षीय बालिका की तीन दिनों के इलाज के दौरान मौत के मामले की जिम्मेदारी किस पर है, यह सवाल उठ रहा है। यह घटना एक गंभीर स्वास्थ्य सेवा संकट की ओर इशारा करती है। आखिरकार, छत्तीसगढ़ सरकार के शासन में सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा में सुशासन कब आएगा? जिला एमसीबी के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तिवारी के सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों की संचालन प्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री इन मुद्दों को सुलझाने में असमर्थ क्यों हैं? मीडिया लगातार स्वास्थ्य सेवाओं की खामियों को उजागर कर रहे है, फिर भी शहर के क्षेत्रवासियों और मरीजों की परवाह क्यों नहीं की जा रही? क्या स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों की राजनीतिक पकड़ इतनी मजबूत है कि उनकी गलती पर कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती? इन सवालों के जवाब और सही कार्यवाही की मांग करते हुए, आवश्यक है कि इस मामले की गहन जांच हो और दोषियों पर उचित कार्रवाई की जाए।

विडंबना देखिए...सौरभ मिश्रा

जिला कांग्रेस कमेटी एमसीबी प्रवक्ता सौरव मिश्रा ने कहा ईलाज के अभाव में पहले शहर की महिला की मृत्यु हो जाती है फिर अधिकारी महिला के परिजनों एवं राजनीतिक दलों के लोगों के साथ दुर्व्यवहार एवं गाली गलौज करते हैं फिर महिला का शव ऑटो में रखकर ले जाया जाता है यह हृदय विदारक घटना स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल जी के स्वयं के विधानसभा सीट की है..!!दिल को झकझोर के रख देने वाली इस घटना के बीच यह भी याद रखना चाहिए की मनेंद्रगढ़ वही शहर है जहां पिछले 10 दिनों के अंदर तीन हत्याएं हुई हैं कई मारपीट लूट डकैती छेड़छाड़ के अपराध दर्ज हुए उसके बावजूद भाजपा के मंत्री रामविचार नेता जी (मनेंद्रगढ़ जिले के प्रभारी) कहते हैं कि विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगाता है भाजपा सरकार चलाने में निरंकुश साबित हो रही है, मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चहिए... !!

कांग्रेस शासनकाल से लेकर भाजपा शासनकाल तक डॉक्टर सुरेश तिवारी का जलवा कायम,क्या हटा पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री

डॉक्टर सुरेश तिवारी का जलवा कांग्रेस शासनकाल से ही कायम है जब कांग्रेस का शासन था तब डॉक्टर सुरेश तिवारी केवल बीएमओ थे वहीं उन्हे तब जब नवीन जिले का गठन हुआ तब मनेंद्रगढ़ के तत्कालीन विधायक एवं भरतपुर सोनहत के तत्कालीन विधायक ने सीएमएचओ भी बनाया वहीं तब उनकी मनमानी जमकर देखी भी गई और तब विधायकों की भी उनके प्रति सहृदयता साथ ही उनके हां में हां मिलाने की प्रवृति देखी जाती रही और उनकी मनमानी जारी रही वहीं अब जब सत्ता परिवर्तन हो चुका है वहीं अब मनेंद्रगढ़ विधायक ही स्वास्थ्य मंत्री हैं तब भी डॉक्टर सुरेश तिवारी की मनमानी कम नहीं हो रही और लोग उनके शोषण का शिकार लगातार हो रहे हैं जो इलाज तो शासकीय अस्पताल में कराते हैं लेकिन शुल्क डॉक्टर को पटाते हैं। अब देखना है की क्या स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर सुरेश तिवारी पर अंकुश लगा पाते हैं या फिर वह भी उनके सामने नतमस्तक हो जाते हैं।

घटती घटना — एमसीबी-कोरिया-समाचार — अम्बिकापुर, मंगलवार 25 जुलाई 2023 — 6

क्या डॉक्टर के लापरवाही से एक व्यक्ति की जान जाने वाले मामले में सौदेबाजी चल रही है?

घटती घटना — एमसीबी-कोरिया-समाचार — अम्बिकापुर, शुक्रवार 11 अगस्त 2023 — 5

डॉक्टर तिवारी को बचाने के लिए पूरा विभाग लगा पर डॉक्टर तिवारी की वजह से जिस व्यक्ति की जान गई उसके लिए कोई क्यों नहीं आ रहा सामने?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)